**Attack On Israel:** हमास ने इजरायल पर दागे 5,000 रॉकेट

हमास ने इजरायल पर दागे 5,000 रॉकेट: गाजा से 5,000 फ़िलिस्तीनी रॉकेट दागे जाने के बाद इज़राइल ने 'युद्ध की स्थिति' की घोषणा की. इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू शनिवार सुबह अपने शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों के साथ बैठक कर रहे थे.

इजराइल और हमास इस समय युद्ध के कगार पर हैं। ऐसा इसलिए हुआ है क्योंकि हमास ने इजराइल पर 5000 से ज्यादा रॉकेट दागे हैं. इसके बदले में इजराइल ने हमास को मौत की सजा देने की धमकी दी है. खबर है कि आतंकी गाजा से इजरायल में भी घुस चुके हैं. इज़रायली रक्षा बलों ने कहा कि चरमपंथियों ने इज़रायल में घुसपैठ की है। हमास की ओर से रॉकेट दागे गए हैं. इस बीच इजराइल ने इलाके के निवासियों से घर पर ही रहने की अपील की है. इजराइल ने हमास पर रॉकेट दागने का भी आरोप लगाया है. इजराइल के विदेश मंत्रालय ने गाजा पट्टी के लोगों से घर में रहने की अपील की है.

फिलिस्तीनी संगठन हमास ने इजराइल के तीन शहरों पर रॉकेट हमला किया है. अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, शनिवार सुबह करीब 8 बजे राजधानी तेल अवीव, सडेरोट और अश्कलोन पर रॉकेट दागे गए. हमास के सैन्य कमांडर मोहम्मद दीफ ने कहा कि चल रहे ऑपरेशन को अल-अक्सा फ्लड नाम दिया गया है. यह यरुशलम में अल-अक्सा मस्जिद को इस्राइल द्वारा अपवित्र करने का प्रतिशोध है। दरअसल, अप्रैल 2023 में इजरायली पुलिस ने अल-अक्सा मस्जिद पर ग्रेनेड फेंके थे.

हमास ने दावा किया है कि उसने इजराइल पर 5 हजार रॉकेट से हमला किया है. टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के मुताबिक, हमास ने इन हमलों की जिम्मेदारी ली है और इजराइल के खिलाफ सैन्य अभियान शुरू करने की घोषणा की है. इधर, इजराइल की सेना ने भी कहा है कि वह युद्ध के लिए तैयार है. सेना ने अपने जवानों के लिए 'युद्ध के लिए तैयारी' का अलर्ट जारी किया है.

भारतीय समय के मुताबिक हमला शनिवार सुबह 9 बजे शुरू हुआ. स्थानीय समयानुसार सुबह के 6.30 बजे थे और इस समय अधिकांश इजराइली सो रहे थे। प्रधानमंत्री नेतन्याहू के कार्यालय ने कहा कि प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री तेल अवीव में रक्षा बलों के मुख्यालय में सुरक्षा का आकलन कर रहे हैं।

शनिवार को यह लड़ाई गाजा के साथ इजराइल की अस्थिर सीमा पर कई हफ्तों से बढ़ते तनाव और इजराइल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक में झड़पों के बाद हुई है। इस साल अब तक इज़रायली बलों द्वारा कम से कम 247 फ़िलिस्तीनी मारे गए हैं, जबकि फ़िलिस्तीनी हमलों में 32 इज़रायली और दो विदेशी नागरिक मारे गए हैं।

इजराइल और फिलिस्तीन के बीच क्यों है संघर्ष?

मध्य पूर्व के इस क्षेत्र में यह संघर्ष कम से कम 100 वर्षों से चल रहा है। वेस्ट बैंक, गाजा पट्टी और गोलान हाइट्स जैसे क्षेत्रों पर विवाद हैं। फ़िलिस्तीन इन क्षेत्रों के साथ-साथ पूर्वी येरुशलम पर भी दावा करता है। वहीं, इजराइल येरुशलम पर अपना दावा छोड़ने को तैयार नहीं है।

गाजा पट्टी इजराइल और मिस्र के बीच है। इस पर फिलहाल हमास का कब्जा है. यह इजराइल विरोधी समूह है. सितंबर 2005 में, इज़राइल ने गाजा पट्टी से अपनी सेनाएँ हटा लीं। 2007 में इजराइल ने इस इलाके पर कई प्रतिबंध लगा दिए. फ़िलिस्तीन चाहता है कि वेस्ट बैंक और गाजा पट्टी में एक स्वतंत्र फ़िलिस्तीनी राज्य की स्थापना की जाए।

हमास: कैसे और क्यों?

1948 में इजराइल के जन्म के बाद भी फिलिस्तीन के साथ उसका संघर्ष हर स्तर पर जारी रहा. जब इज़राइल को लगा कि वह कूटनीतिक स्तर पर फ़िलिस्तीन के ख़िलाफ़ हार रहा है, तो 1970 के दशक में उसने उदारवादी फ़िलिस्तीनी नेताओं के विरोध में एक कट्टरपंथी फ़िलिस्तीनी संगठन खड़ा किया। पूर्व इजरायली जनरल यित्ज़ाक सेज़ेव ने कहा कि जहर देकर मारने की यह नीति एक ऐतिहासिक गलती थी. इजराइली सरकार ने मुझे हमास के लिए बजट भी दिया. इसका अफसोस हमें आज भी है. हमास ने धीरे-धीरे फ़िलिस्तीन के उदारवादी नेतृत्व को किनारे कर दिया और स्वयं फ़िलिस्तीन आंदोलन का ध्वजवाहक बन गया। उनमें से 90% युवा फ़िलिस्तीनी हैं।

हमास को तुर्की और कतर से फंडिंग मिलती है। हमास के एक नेता ख़ालिद मेशाल ने भी क़तर में अपना कार्यालय खोला. ईरान हमास को हथियार और पैसा भी देता है. हालाँकि, ईरान एक शिया देश है, जबकि अरब दुनिया सुन्नी है।हमास के 4 पंख हैं. सैन्य विंग के प्रमुख इज़ अद-दीन अल कासिम हैं। राजनीतिक विंग इस्माइल हानिया के हाथ में है. इस विंग में दूसरे नंबर पर हैं मूसा अबू मरजूक. दूसरे नेता हैं खालिद मशाल. यह अंतरराष्ट्रीय मामलों के लिए मुस्लिम ब्रदरहुड पर निर्भर है। एक सोशल विंग भी है.

कई सालों के बाद अब हमास इजराइल को परेशान करने में कामयाब हुआ है. इसके सदस्य भीड़ में शामिल हो जाते हैं और इजरायली सैनिकों पर हमला कर देते हैं। इजराइल की ताकत के चलते अब ज्यादा मदद नहीं मिल पा रही। हर झड़प में हमास को नुकसान उठाना पड़ा.